7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 युवक की मौत पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा
5 संस्कार भारती ने किया मुल्ला भीरी में भव्य दीपोत्सव एवं भजन संध्या
8 श्रेयस अय्यर अस्पताल में भर्ती

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 18 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 27 अक्टूबर,2025

नहाए–खाए से शुरू हुआ चार दिवसीय महापर्व, व्रतियों ने लिया संकल्प

छठ महापर्व

छठ महापर्व के दुसरे दिन खरना करती महिलाएं –

कांच ही बांस के बहंगिया...बहंगी लचकत जाय

घर में ठेकुआ बनाती महिलाएं

गोरखपुर,संवाददाता। उगते सूर्य को सुबह 06:25 बजे अर्घ्य दिया जाएगा।महिलाओं ने रविवार को घरों में छठ माता के गीतों के साथ ही पर्व की तैयारी की। इस दौरान 'कांच ही बांस के बहंगिया... बहंगी लचकत जाय' जैसे छठ गीत भी गूंजते रहे। छठ महापर्व को लेकर पर्व के दूसरे दिन रविवार को महिलाओं ने खरना किया। दिन भर व्रत रहकर शाम को पूजा–अर्चना कर गुड़ की खीर व रोटी ग्रहण किया। इसके बाद घर वालों ने इसे प्रसाद के रूप में खाया। इसके बाद से ही 36 घंटे का निर्जल व्रत शुरू हो गया। सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य शाम को 05:35 बजे व्रती महिलाएं छठ घाट पर देंगी। मंगलवार को उगते सूर्य को सुबह 06:25 बजे अर्घ्य दिया जाएगा।महिलाओं ने रविवार को घरों में छठ माता के गीतों के साथ ही पर्व की तैयारी की। इस दौरान 'कांच ही बांस के बहंगिया... बहंगी लचकत जाय' जैसे छठ गीत भी गूंजते रहे।

घरों में मिट्टी का चूल्हा बनाकर इस पर प्रसाद बनाया गया। पूरा दिन महिलाओं ने तैयारियों में बिताया। इसके साथ ही बाजारों से खरीदारी कर लाए गए विभिन्न प्रकार के फलों को धुल कर उसे टोकरी में रखा गया व देर रात तक इसे दउरे व सूपे में सजा दिया गया। सोमवार को शाम को सोलह श्रृंगार कर मंगल गीत गाते हुए व्रती महिलाएं छठ घाट पहुंचेंगी। दउरा में विभिन्न प्रकार के फल रखकर सिर पर उठाकर नंगे पैर परिवार के लोग नदी, तालाब व कृत्रिम घाट पहुंचेंगे। वहां महिलाएं घाट पर बनी बेदी पर छठ माता की पूजा–अर्चना कर संतान की दीर्घायु के लिए कामना करेंगी।शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। रात में कोसी भरने की परंपरा का भी निर्वहन किया जाएगा। इसके अगले दिन मंगलवार को भोर से ही महिलाएं मंगल गीत गाते हुए छठ घाठ पहुंचेंगी। वहां छठ माता की पूजा–अर्चना के बाद उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करेंगी। पंडित शरद चंद्र मिश्र ने बताया कि इस व्रत की महिमा अपरंपार है। व्रत करने से छठ माता की कृपा बनी रहती है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

पूरे प्रदेश में होगी नकली दवाओं की जांच हर जिले में होगा औषधि नियंत्रण अधिकारी

लखनऊ,संवाददाता। नकली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए अब प्रदेश सरकार सख्त कदम उठाने जा रही है। इसके लिए हर जिले में एक अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। प्रदेश में दवाओं की जांच जल्द हो सकेगी और नकली व गुणवत्ताविहीन दवाओं की बिक्री पर सख्ती से लगाम लगाई जाएगी। इसके लिए जांच का दायरा बढ़ेगा। अब हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी का नया पद सृजित किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सहमति दी है।

प्रदेश में आए दिन नकली एवं गुणवत्ताविहीन दवाएं मिल रही हैं। इन दवाओं की जांच की जिम्मेदारी औषधि निरीक्षकों की है, लेकिन 13 जिलों में औषधि निरीक्षक ही नहीं। कई निरीक्षकों के पास दो–दो जिलों की जिम्मेदारी है। ऐसे में अब खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन किया जाएगा। शुक्रवार को विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी का नया पद सृजित किया जाएगा।

यह औषधि निरीक्षकों की निगरानी करेगा। अभी तक औषधि निरीक्षक जिलाधिकारी से संबद्ध थे। इसी तरह उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे। अभी तक यह एक ही पद है। विभाग में अभी औषधि निरीक्षक के 109 पद हैं। इसमें 32 खाली हैं। ऐसे में औषधि निरीक्षकों का पद बढ़ाकर दोगुना किया जाएगा। उप आयुक्त से पदोन्नति पाने वाले संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर तैनाती दी जाएगी। इसके लिए अर्हकारी सेवा में संशोधन होगा।

प्रदेश में आए दिन नकली एवं गुणवत्ताविहीन दवाएं मिल रही हैं। इन दवाओं की जांच की जिम्मेदारी औषधि निरीक्षकों की है, लेकिन 13 जिलों में औषधि निरीक्षक ही नहीं। कई निरीक्षकों के पास दो–दो जिलों की जिम्मेदारी है।

राप्ती में दो युवतियों ने लगाई छलांग, एक को मछुआरों ने बचाया– दूसरी की तलाश जारी

गोरखपुर,संवाददाता। पहली घटना सुबह करीब आठ बजे हुई। जानकारी के मुताबिक, संतकबीरनगर के मेंहदावल के बनकटा निवासी खुशबू त्रिपाठी (20) किसी बात से व्यथित होकर करमैनी पुल से राप्ती नदी में कूद गई। सूचना मिलते ही मेंहदावल और कैंपियरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। राप्ती नदी के करमैनी पुल से शुक्रवार को चार घंटे के अंतराल में दो युवतियों ने नदी में छलांग लगा दी। एक युवती को स्थानीय नाविकों ने बचा लिया। जबकि दूसरी युवती की तलाश में मेंहदावल व कैंपियरगंज पुलिस के साथ एसडीआरएफ का सर्च ऑपरेशन देर शाम तक जारी रहा। पहली घटना सुबह करीब आठ बजे हुई। जानकारी के मुताबिक, संतकबीरनगर के मेंहदावल के बनकटा निवासी खुशबू त्रिपाठी (20) किसी बात से व्यथित होकर करमैनी पुल से राप्ती नदी में कूद गई। सूचना मिलते ही मेंहदावल और कैंपियरगंज पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया और नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। कई घंटे बीत जाने के बाद भी खुशबू का कोई सुराग नहीं लग सका। दोपहर करीब 12 बजे उसी पुल पर मौजूद लोगों के सामने एक और युवती ने नदी में छलांग लगा दी। युवती गोरखपुर के कैंपियरगंज थाना क्षेत्र के रामकोला टोला बेलवा निवासी रीना साहनी (22) के रूप में हुई है। रीना के नदी में कूदते ही आसपास मौजूद मछुआरे, पुलिस बल और स्थानीय लोग सक्रिय हो गए। नाविकों ने जान जोखिम में डालकर रीना को डूबने से पहले बाहर निकाल लिया। रीना को तत्काल किनारे लाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ में सामने आया कि वह अपने सिर की पुरानी चोट का इलाज न होने से मानसिक रूप से परेशान थी, इसी कारण उसने खुदकुशी की कोशिश की। मेंहदावल की खुशबू के परिजनों का कहना है कि वह सुबह घर से बाजार जाने के लिए निकली थी, लेकिन किस वजह से उसने नदी में छलांग लगाई, इसका कोई पता नहीं चल सका है। राप्ती नदी में एक युवती कूद गई थी। उसकी तलाश चल रही थी कि कुछ घंटे बाद दूसरी युवती ने भी नदी में छलांग लगा दी। उसे सुरक्षित निकाल लिया गया और परिजनों को सौंप दिया गया है। पहली युवती की खोज के लिए एसडीआरएफ और पुलिस की संयुक्त टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है।

सतीश कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक, मेंहदावल

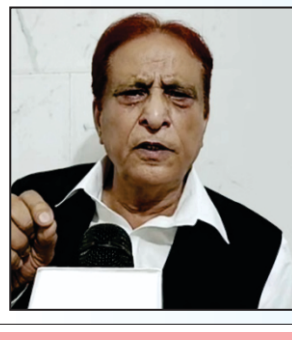

आजम खां का दर्द

- 'जब तक सरकार आए तब तक मेरे ऊपर से दाग हट जाए'
- 'मैं मुजरिम के रूप में हाउस में न जाऊं'
- 'मैंने यूनिवर्सिटी बनाई यही मेरा गुनाह है'
- 'मुझे जेल में नहीं फांसीघर में रखा गया'

मुरादाबाद,संवाददाता। सपा नेता आजम खां का एक बार फिर दर्द छलका है। आजम ने बताया कि जेल बदले जाने पर एनकाउंटर का डर था। सपा नेता ने कहा कि मेरे लिए अलग गाड़ी और अब्दुल्ला को दूसरी गाड़ी में बैठाया गया। मैंने जेल में सुन रखा था कि एनकाउंटर हो रहे हैं, ऐसे में जो पिता होगा वह अपनी औलाद को लेकर पीड़ा समझ जाएगा। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां ने सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता व राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल से कैमरे के सामने छात्र राजनीति से लेकर जेल यात्रा तक विस्तृत बातचीत की।

सम्पादकीय

पलायन-रोजगार का चुनाव

बिहार का चुनाव समतली जमीन पर आ चुका है। विपक्ष के महागठबंधन में जो भीतरी द्वन्द्व और विरोधाभास थे, वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और वीआईपी अध्यक्ष मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के बाद लगभग समाप्त हो चुके हैं। कुछ सीटों पर कांग्रेस, राजद, सीपीआई (माले) और वीआईपी के उम्मीदवार एक–दूसरे के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं। इसे 'दोस्ताना मुकाबला' करार दिया जा रहा है। महागठबंधन के नेताओं ने इस विरोधाभास के समाधान की भी बात कही है। जिस प्रेस वार्ता में तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने, घोषित किया, उसके पोस्टर पर सिर्फ तेजस्वी का ही चित्र था। न लालू यादव–राबड़ी देवी का और न ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी का चित्र लगाया गया। लालू तो अब भी राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और राहुल–तेजस्वी ने साझा तौर पर 'वोट चोरी' के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। अब वह 'साथ' कहां गायब हो गया? बहरहाल आज 'वोट चोरी' का मुद्दा भी गायब है, क्योंकि पलायन और रोजगार सबसे संवेदनशील चुनावी मुद्दे के तौर पर उभरे हैं। तेजस्वी ने 'हर घर, एक सरकारी नौकरी' का जो मुद्दा जनता के सामने पेश किया है, उसका असर बिहार में स्पष्ट रूप से देखा–महसूसा जा सकता है। हालांकि बिहार के 2.76 करोड़ घर–परिवारों में से 2.5 करोड़ घरों को भी सरकारी नौकरी मुहैया कराने पर करीब 9 लाख करोड़ रुपए सालाना चाहिए। बिहार का बजट ही 3.17 लाख करोड़ रुपए का है और उस पर 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है।

पूंजी कहां से आएगी, यह बहस सत्तारूढ़ और विपक्ष के राजनीतिक दलों के दरमियान तो जारी है, टीवी चैनलों पर भी यह बहस सुनी जाती रही है, लेकिन यह जनता का विश्लेषण और उसकी चिंता नहीं है। जनता मान रही है कि जिसकी सरकार बनेगी, पूंजी का बंदोबस्त भी वही करेगी। कांग्रेस ने भी 'पलायन रोको, नौकरी दो' का नारा देकर तेजस्वी के कार्यक्रम का समर्थन किया है। रोजगार से ही पलायन का मुद्दा जुड़ा है। चुनाव आयोग के मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के अतिरिक्त विशेषज्ञों के आकलन हैं कि करीब 50 लाख बिहारी देश के विभिन्न हिस्सों में नौकरी या मजदूरी अथवा रिक्शा चालन का काम करते हैं और बिहार में मौजूद परिवार का पेट पालते हैं। अधिकांश ये प्रवासी बिहारी असंगठित और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत हैं, लिहाजा यह तय नहीं है कि कितने लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ही बिहार लौटेंगे? मतदान और छठ में कई दिनों का फासला है। निजी दुकानदारियों पर काम करने वाले इतने दिन तक बिहार में कैसे रह सकते हैं? उनके मालिक ही अनुमति नहीं देंगे। कइयों को मतदाता सूचियों से ही बाहर कर दिया गया है। कोई भी दल इन प्रवासी मतदाताओं को बिहार तक लिवाने में व्यापक तौर पर उत्सुक, इच्छुक नहीं है। बेशक मताधिकार देश के औसत वयस्क नागरिक का संवैधानिक मौलिक अधिकार है, लेकिन इसे संस्थानात्मक रूप नहीं दिया गया है। पलायन और प्रवासी बिहारियों को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा–जनता दल–यू और राजद, कांग्रेस, वामपंथी आदि चिंतित जरूर हैं, क्योंकि वे किसे वोट देंगे, यह निश्चित नहीं है। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने, प्रधानमंत्री मोदी की भरपूर मदद से, रोजगार–नौकरी की एक परियोजना घोषित की है कि यदि सरकार बनी, तो वे अगले 5 साल के दौरान 1 करोड़ रोजगार/नौकरी मुहैया कराएंगे। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ऐसा कोई विभाग, कर्मचारी, समुदाय, आंगनबाड़ी आदि नहीं छोड़ा है, जिसके आर्थिक संसाधनों की बढ़ोतरी न की हो। लेकिन सत्तारूढ़ पक्ष के लिए फिलहाल यह निश्चित नहीं है कि चुनाव के बाद नीतीश ही मुख्यमंत्री बनेंगे! गृहमंत्री अमित शाह ने भी घोषणा की है कि चुनाव के बाद विजयी विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा? हालांकि प्रधानमंत्री मोदी समेत भाजपा के सभी शीर्ष नेता बार–बार दोहरा रहे हैं कि चुनाव नीतीश के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। महाराष्ट्र में भी चुनाव तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में लड़ा गया था, लेकिन चुनाव के बाद देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाया गया। केंद्रीय मंत्री एवं एनडीए में 'हम' पार्टी के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने कहा है कि चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री का चेहरा तय किया जाना चाहिए। नतीजतन एनडीए में मुख्यमंत्री को लेकर गहरा सस्पेंस है। उस लिहाज से बिहार चुनाव काफी दिलचस्प हो गया है। अब मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन के मध्य होगा। लालू के दूसरे बेटे तेज प्रताप यादव की चुनौती भी चुनावों में रहेगी।

माल बनाम लोअर माल

सवाल मॉल की परिपाटी में घूमते शिमला का होता तो ब्रिटिश पीरियड की साफ सफाई का तरन्नुम सुना जाता, लेकिन यहां तो शहर को दूसरे मॉल की सूरत में बदन की खुजली तंग कर रही है। यह आलू बुखारे का सौदा नहीं कि दो रेहड़ी वाले टकरा जाएं या मॉल की मिलकीयत में शिमला बंट जाए। इसमें दो राय नहीं कि शिमला के भीतर मॉल एक डेस्टिनेशन की तरह है, लेकिन पर्यटन को तादाद में देखने के बजाय विविधता में स्वीकार करना होगा। लोअर बाजार बनाम मॉल के व्यापारी आखिर किस शौर्य को परवान चढ़ाना चाहते हैं। क्या मॉल के साथ लोअर मॉल की साझी विरासत नहीं है या क्या नए नामकरण से कोई सरहद पैदा हो जाएगी। चार कदम चल लेते एक साथ, तो मंजिल का जिक्र भी हो जाता। आखिर मॉल के व्यापारियों को यह क्यों पसंद नहीं कि लोअर बाजार के व्यापार का सेहरा लोअर मॉल पहन ले। क्या टूरिस्ट को एक सीमित दायरे में बांध कर शिमला का अस्तित्व महान हो जाता है। जाहिर तौर पर नए पर्यटन की नई उम्मीदें और नई मंजिलें रहेंगी। शिमला को भले ही मॉल का प्रतिनिधित्व एक सौगात बना देता है, लेकिन ऐतिहासिक महक की व्यापकता में लोअर मॉल भी एक हस्ती रही है। महंगे रेस्तरां और फास्ट फूड की जंक प्रवृत्ति से हटकर लोअर मॉल अगर शिमला की फूड मार्ट का पैमाना बन जाए, तो वहां स्वाद और सौहार्द का एक अलग ही संगम बन जाएगा। शिमला का जायका अगर रफ्तार पकड़े, तो लोअर मॉल एक अवधारणा बन जाएगी। दरअसल हिमाचल में मॉल को पुनर्परिभाषित करते हुए कई अन्य शहरों में भी वाहन रहित मॉल की संज्ञा में प्रमुख बाजारों की अहमियत बढ़ानी होगी। जाहिर तौर पर शिमला में मॉल एक संस्कृति–एक परंपरा है, लेकिन इसे केवल व्यापारिक प्रतिष्ठान नहीं माना जा सकता। सुकून से पद यात्रियों के लिए बाजार के बीच सैर सपाटा एक ऐसी शर्त है, जो हिमाचल के अनेक शहरों की भी ख्वाहिश है। मसलन हमीरपुर के बुद्धिजीवियों ने प्रयास किए कि मुख्य बाजार को वाहन प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाए, लेकिन व्यापारियों ने इसका विरोध कर दिया। धर्मशाला के कोतवाली बाजार के व्यापारियों ने वन वे के जरिए एक योजना प्रशासन को दी, लेकिन न व्यवस्था कामयाब हुई और न ही नागरिक समाज ने इसे स्वीकार किया। मॉल रोड के कई मायने हैं और यह टीसीपी एक्ट तथा शहरी विकास योजनाओं के तहत हर शहर और पर्यटक स्थलों पर लागू होना चाहिए। ऐसे में शिमला में अगर वाहन रहित दो मॉल घोषित हो रहे हैं, तो आपत्तियों के मायने खारिज होने चाहिएं। मॉल और लोअर मॉल की अपनी–अपनी विशिष्टताओं को नए रंग और चरित्र से मजबूत करने के साथ–साथ इनके बीच कनेक्टिविटी के कई प्रवेश द्वार स्थापित करने होंगे। यानी मॉल और लोअर मॉल के बीच कम से कम आधा दर्जन लिफ्ट स्थापित करते हुए यह पैगाम देना होगा कि इस शहर की सदी पुरानी फूड मार्ट का एक अलग और खास अनुभव है। पर्यटन के लिहाज से लोअर मॉल की खासियत काफी हद तक सैलानियों को संतुष्ट कर सकती है। शहरों का भविष्य नए आर्थिक, सामाजिक, मनोरंजन व धरोहर सेक्टरों को चिन्हित और विकसित करके ही होगा। मसलन मनाली में आए पर्यटक को ओल्ड मनाली की रूह में एक अलग अनुभव मिलना चाहिए या मकलोडगंज पहुंचे पर्यटक के लिए धर्मकोट की चहलकदमी में अलग छटा मिलनी चाहिए। हिमाचल में पर्यटकों के लिए अलग से वाहन प्रतिबंधित बाजारों की संरचना अब समय की जरूरत है और यह नाइट लाइफ के दृष्टिगत विशेष योजना के तहत अब कई नए मॉल स्थापित कर सकता है।

'हलाल' के चिंतित मायने

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हलाल प्रमाणन' वाले उत्पाद इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे आतंकवाद, इस्लामी धर्मान्तरण, लव जेहाद आदि हिन्दू–विरोधी गतिविधियों से जोड़ा है। योगी के मुताबिक, इस प्रमाणन का काफी पैसा आतंकवाद और धर्मान्तरण पर खर्च किया जाता है। यह देश की जनसंख्या के समीकरण बदलने की इस्लामी साजिश है। बिहार में चुनाव का मौसम है और योगी भाजपा के स्टार प्रचारकों में एक हैं। उन्होंने 'राजनीतिक इस्लाम' का मुद्दा भी उठाया है। चूंकि योगी आदित्यनाथ धुर हिन्दूवादी नेता हैं और उन्होंने 2023 से उप्र में 'हलाल प्रमाणन' पर पाबंदी थोप रखी है, लिहाजा उनके आरोप और आह्वान सियासी भी हो सकते हैं। चुनाव के दौरान हिन्दू–मुसलमान ध्रुवीकरण के वह सूत्रधार रहे हैं, लेकिन देश में 'हलाल प्रमाणन' की सिर्फ 4 संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। सरकार इस प्रमाणन से तटस्थ रही है। सवाल किया जा सकता है कि ऐसा क्यों? जबकि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल प्रमाणन' के लिए अधिकृत किया है, लिहाजा ये किसी भी संदर्भ में 'अवैध' नहीं हैं। भारत सरकार की अनुमति के बिना 'हलाल' ठप्पे वाले उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकता। 'हलाल प्रमाणन' सिर्फ मांस तक ही सीमित नहीं है। हालांकि इस प्रमाणन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में हैं। यह दलील दी जाती रही है कि उत्पादों में 'हराम' अथवा निषिद्ध सामग्री (सूअर का मांस और शराब आदि) का उपयोग तो नहीं किया गया, उसके लिए 'हलाल प्रमाणन' अनिवार्य है। बेहद अहम सवाल है कि माचिस, चाय की प्याली, सरिया, सीमेंट, फ्लैट आदि में गैर–इस्लामी सामग्री का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? लेकिन उन पर भी यह प्रमाणन अनिवार्य है।

हास्यास्पद् है कि स्कूल, अस्पताल और अर्थव्यवस्था को भी 'हलाल' करार देने की कोशिशें जारी हैं। कुछ कामयाब भी रही हैं। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन ने यह विचार दिया था कि बैंकिंग क्षेत्र को भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में लाया जाए। यह दीगर है कि ऐसा राजनीतिक तौर पर संभव नहीं हो सका। कई दवाएं और सौन्दर्य प्रसाधन के उत्पाद 'हलाल' की निगरानी में हो सकते हैं, क्योंकि उनमें गैर–इस्लामी, निषिद्ध सामग्री इस्तेमाल की जाती रही है। यह सार्वजनिक मान्यता भी है। भारत में करीब 3200 उत्पाद 'हलाल' के ठप्पे के साथ बिकते हैं। 'हलाल प्रमाणन' की अर्थव्यवस्था ही करीब 8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। कंपनियां इस प्रमाणन के लिए करीब 66,000 करोड़ रुपए खर्च करती हैं। क्या इस पूरी अर्थव्यवस्था का कोई अधिकृत ऑडिट कराया जाता है? दो अहम सवाल प्रासंगिक हैं। एक, भारत सरकार के पास जांच का सम्यक आधारभूत ढांचा है, तो ऐसा प्रमाणन सरकार या उसकी एजेंसियां क्यों नहीं जारी कर सकतीं? दूसरे, यह लाइसेंस 'जमीयत उलेमा ए हिन्द', 'हलाल इंडिया प्रा. लिमि. ', 'जमीयत उलेमा ए महाराष्ट्र' और 'हलाल सर्टिफिकेशन सर्विसेज इंडिया प्रा. लिमि.' इन चार संस्थाओं को ही क्यों दिए गए? क्या इनके पास 'हलाल' जांचने और तय करने की तमाम कसौटियां उपलब्ध हैं? किसी गैर–इस्लामी संस्था को यह लाइसेंस क्यों नहीं दिया जा सकता? वह ज्यादा तटस्थ और ईमानदार साबित हो सकती है। यह इस्लामी चक्रव्यूह रचा गया है, क्योंकि ओआईसी के अधिकतर इस्लामी देश 'हलाल प्रमाणन' के बिना उत्पाद कबूल ही नहीं करते हैं। ऐसा ईसाइयों, यहूदियों, जैन, बौद्ध, सिख समुदायों के लिए तो विशेष प्रावधान नहीं किए गए हैं। सूअर का तो क्या, शाकाहारी समुदाय किसी भी प्राणी का वध करके उसका मांस नहीं खाते हैं। उनके लिए तो उत्पादों पर विशेष संकेत छपने चाहिए। योगी और भाजपा का मानना है कि प्रमाणन से जो पैसा आता है, उसका मोटा हिस्सा देश की जनसांख्यिकी बदलने पर भी किया जाता है। हम इस सोच की न तो पुष्टि कर सकते और न ही किसी ठोस सबूत के बिना इस सोच का समर्थन कर सकते हैं, लेकिन 'हलाल' के जरिए जिस तरह देश की आर्थिकी बदल सकती है, वह जरूर चिंताजनक स्थिति है। हर मसले पर हिंदू–मुसलमान करना भी देश के लिए ठीक नहीं है। यह देश सभी भारतीयों का है, सभी का विकास होना चाहिए।

हिमाचल की बिगड़ी हवा

दिवाली का बायप्रोडेक्ट अगर निरंतरता से प्रदूषण का चक्र बन जाएगा, तो सोचना होगा ये पटाखे हमारे लिए बहुत जहरीले हो गए हैं। हिमाचल की विडंबना यह भी है कि आकाश से मैदान की समीपता से वायु प्रदूषण साझा हो जाता है। दिल्ली से पंजाब तक की हवाएं हमारी शुद्धता नहीं करतीं, अलबत्ता उपभोक्ताबाद ने भी पहाड़ का मंजर बदल दिया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (ए क्यू आई) ने हिमाचल के कुछ शहरों को लानत भेजी है। प्रदूषण बोर्ड ने तेरह से बीस अक्तूबर के बीच प्रदेश के कुछ प्रमुख शहरों की वायु गुणवत्ता जांची है। ए क्यू आई के आंकड़ों में सौ से अधिक पांच शहर पकड़े गए हैं, जिनमें धर्मशाला भी एक है। अन्य शहरों में परवाणू, पांवटा साहिब, ऊना व बद्दी शहरों ने हिमाचल के लिए गहरे संकेत दिए हैं। हम मान सकते हैं कि ये शहर मैदानी तथा औद्योगीकरण की फांस से खुद को बचा रहे हैं, लेकिन धर्मशाला के नाम से चस्पां पर्यटन मंजिल व हिल स्टेशन का तमगा जरूर अभिशप्त हुआ है। यह नागरिक व्यवहार की असंवेदनशीलता तथा प्रदूषण के प्रति लापरवाह होती नीतियों का आईना भी है। ऐसे में पर्वतीय व पर्यावरणीय कवर को बचाने से पहले नागरिक समाज को स्वीकार करना होगा कि पहाड़ों पर बारूद से खेलना सही नहीं। पटाखों की आंत से निकला प्रदूषण एक वजह हो सकती है या निचले इलाकों में भरता रहा पटाखों का धुआं अंततः धौलाधार पर्वतमाला के अस्तित्व को मलिन करके ही छोड़ेगा। भले ही प्रदूषण बोर्ड ने निचले इलाकों की गंध को मापा है, लेकिन अब जरूरत यह भी है कि तमाम पहाडियों और विशेष तौर पर धौलाधार पर मंडराते धुएं का प्रभाव लगातार देखा जाए। दूसरी ओर वायु गुणवत्ता सूचकांक बता रहा है कि धर्मशाला जैसे शहर में जरूरत से अधिक वाहन या अत्यधिक निजी वाहन कयामत ढहा रहे हैं। पूरे प्रदेश में पटाखों से लगी आग के अलावा वाहनों के प्रदर्शन ने माहौल को प्रदूषित करने की सीमा लांघ दी है। प्रदेश में पुराने वाहनों की मंडियां इस कद्र सजने लगी हैं कि बीस साल पुरानी 800 गाडियां कमोबेश हर घर से हर गली तक प्रदूषण का कब्रिस्तान बनाने लगी हैं। दिल्ली के सख्त कानूनों ने जिन वाहनों के प्रदर्शन को रोका है, वे हिमाचल की वादियों को त्रस्त कर रहे हैं। ऐसे में सार्वजनिक एवं शहरी परिवहन के लिए एक रोड मैप तैयार करना होगा ताकि निजी वाहनों का उपयोग घटे। इसके लिए शिमला की तर्ज पर रज्जु मार्गों के जरिए धर्मशाला, कुल्लू–मनाली और सुंदरनगर–मंडी के बीच परियोजनाएं बनानी होंगी। हिमाचल के निचले मैदानी इलाकों में वे तमाम व्याधियां पैदा हो रही हैं, जो पड़ोसी पंजाब–हरियाणा सरीखे राज्यों में आम हैं। इन इलाकों में पराली के अलावा घास को जलाया जा रहा है, जबकि चीड़ की पत्तियों को भी इरादतन आग के हवाले किया जाने लगा है। हिमाचल का वायु गुणवत्ता सूचकांक में सबसे खराब प्रदर्शन बद्दी और उसके बाद ऊना के लिए अच्छा संकेत नहीं है, लेकिन नालागढ़, सुंदरनगर और शिमला की बाहों में प्रदूषण के खिलाफ काफी स्वच्छ हवा बाकी है। हैरानी यह कि मनाली जैसा पर्यावरण के पर्दे में रहने वाला शहर अब अपनी कोख में प्रदूषण एकत्रित करने लगा है। प्रदेश में जेसीबी मशीन से कटती पहाडियां, रेत–सीमेंट और सरिए से उठते प्रकृति विरोधी टावर इतनी धूल पैदा कर रहे हैं कि नई आर्थिकी के पटाखे साल भर स्वच्छ हवा को जख्मी कर रहे हैं।

युवक की मौत पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

वैन में छिपे पुलिस कर्मी... भीड़ लगातार ट्रक पर बरसाती रही पत्थर, लाठी-डंडे भी बरसाए, बवाल की पूरी कहानी

गोरखपुर के गीडा इलाके में रश्वड से हमले में घायल युवक की मौत पर गुस्सा भड़क उठा

गोरखपुर ,संवाददाता। ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर सड़क जाम कर दी। पुलिस टीम पर पथराव किया। इसमें महिला सिपाही और दरोगा समेत छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। गोरखपुर के गीडा इलाके के हनुमान चौहान की मौत के बाद मंगलवार शाम नौसड़ चौराहे पर हालात बेकाबू हो गए। हंगामे के दौरान पथराव हुआ तो सड़क किनारे खड़े एक मिनी पुलिस ट्रक में कई पुलिसकर्मी घुस गए। दरवाजा बंद कर अंदर छिप गए। भीड़ लगातार ट्रक पर पत्थर बरसाती रही। ट्रक चालक ने वाहन स्टार्ट करने की कोशिश की, लेकिन इंजन बंद होने के कारण गाड़ी नहीं चली। इस बीच गुस्साई भीड़ ने ट्रक को घेर लिया और उस पर लाठी–डंडे और पत्थर बरसाने लगी। कई ईंट–पत्थर लगने के बाद चालक ने दरवाजा खोलकर भागकर अपनी जान बचाई।

भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव किया

मंगलवार को परिजनों और ग्रामीणों ने शव को खाट पर रखकर सुबह पहले तीन घंटे तक गोरखपुर–वाराणसी हाईवे जाम रखा। फिर शाम करीब पांच बजे पोस्टमार्टम के बाद शव लाए जाने पर दोबारा हंगामा शुरू हो गया। सांसद रवि किशन को मौके पर बुलाने की मांग को लेकर भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। अचानक हुए पथराव से पुलिसकर्मी जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे।

पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा

यह पूरा वाकया किसी ने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जाली लगे ट्रक में फंसे पुलिसकर्मियों ने किसी तरह खुद को बचाया। उधर, पथराव की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने लाठी सड़क पर पटक कर भीड़ को खदेड़ा। लगभग तीन घंटे तक चले इस उपद्रव के दौरान नौसड़ चौराहे से लेकर जवाहर चक तक अफरा–तफरी का माहौल बना रहा।

आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात

उधर, तनाव की स्थिति को देखते हुए देर रात तक नौसड़ और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात रहा। गीडा, गगहा, बांसगांव और तिवारीपुर थानों की पुलिस फोर्स मौके पर डटी रही। हंगामे के दौरान नौसड़ चौराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। वाराणसी और लखनऊ की ओर जाने और आने वाले यात्री घंटों तक जाम में फंसे रहे। देर रात स्थिति सामान्य होने के बाद यातायात बहाल कराया जा सका। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

भीड़ के पथराव में पुलिस ट्रक क्षतिग्रस्त, कई वाहन फंसे

भीड़ के पथराव में पुलिस के मिनी ट्रक का शीशा टूट गया। कई निजी वाहन भी पत्थर लगने से क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने फोर्स को तैनात कर हालात पर नियंत्रण पाया। रात तक माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बना रहा।

छह पुलिसकर्मी घायल हुए, महिला पुलिस लहूलुहान

भीड़ के पथराव में महिला पुलिसकर्मी का सिर फूट गया है। वहीं पांच अन्य पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। महिला पुलिसकर्मी का खून से लथपथ हालत में फोटो वीडियो वायरल हो रहा है। इसके साथ ही पुलिस पर पथराव की घटना का सोशल मीडिया पर भी वीडियो वायरल हो रहा है। इसपर यूजर और राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के कमेंट भी आ रहे हैं।

किसने भड़काया, उस शख्स को खोज रही पुलिस

हनुमान की मौत के बाद परिजनों को किसने भड़काया, किसने भीड़ जुटाई, भीड़ को उकसा कर पुलिस पर पथराव कराया, उस शख्स की पुलिस तलाश कर रही है। सीसीटीवी कैमरे और मुखबिरों की मदद से कुछ लोगों के फोटो और वीडियो सामने आए हैं। पुलिस उनकी भूमिका का पता लगा रही है। माना जा रहा है कि पुलिस पर पथराव की घटना का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें पत्थर चलाने वाली महिलाओं और पुरुषों को चिह्नित किया जा रहा है।

पत्नी बोली–नौसड़ चौकी इंचार्ज ने की लापरवाही

हनुमान की पत्नी लक्ष्मीना ने कहा कि पति पर आरोपी रोशन पीछे से रॉड से वार करके भाग गया था। इसमें उसके साथ अन्य लोग भी थे। आरोप है कि गीडा थाने में पुलिस ने खुद बोलकर केस दर्ज कराया। लक्ष्मीना ने आरोप लगाया कि नौसड़ चौकी इंचार्ज ने कार्रवाई में लापरवाही बरती।

हाईवे पर लगा लंबा जाम, शहर में नहीं पहुंचा दूध

गीडा इलाके से कई कंपनियों का दूध और ब्रेड रोज सुबह शहर में आता है। चक्का जाम होने की वजह से दूध, ब्रेड वाली गाड़ियां फंस गईं। शहरवासी सुबह से ही खासकर दूध के लिए परेशान रहे। दुकानदारों का कहना था कि सुबह दूध नहीं आने से कई ग्राहक निराश लौट गए।

चौराहे से पुलिस ने हटाया शव तो हुआ पथराव

शाम को करीब 5 बजे जब पोस्टमॉर्टम के बाद शव हनुमान के घर लाया गया। इसके बाद परिवार एक बार फिर शव को लेकर नौसड़ चौराहे की तरफ चल पड़ा। यहां उन्होंने शव रखकर जाम लगाने की कोशिश की। इस बीच पुलिस ने उन्हें जबरन हटा दिया। इससे नाराज होकर लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।

छठ महापर्व

आस्था के नाम पर सौदेबाजी

गोरखपुर के इन घाटों पर छठ वेदी के लिए जमीन कब्जाई...

राजघाट राप्ती नदी में छठ पूजा के लिये पानी में बैरीकेडिग करते लोग

गोरखपुर,संवाददाता। एक नंबर पर कॉल करने पर विकास ने उठाया। पूछने पर बताया कि उसका पूरा परिवार राप्ती नदी किनारे छठ पर्व मनाता है। पड़ोस को लेकर करीब 50 लोग वहां जाते हैं। इसीलिए थोड़ी ज्यादा जगह चाहिए। पूजन के लिए जगह मांगने पर बताया कि यदि दो चार लोग होंगे तो उसी में जगह बन जाएगी। ज्यादा लोगों के लिए दूसरी जगह तलाश करनी होगी।

छठ महापर्व में अभी चार दिन का समय है लेकिन पूजा के लिए वेदी बनाने की होड़ लग गई है। राप्ती नदी के किनारे एकला बंधे के पास कुछ लोगों ने जमीन पर कब्जा कर उसे लकड़ी से घेर दिया है। कुछ ने संपर्क करने के लिए जमीन पर मोबाइल नंबर भी लिख दिया है। अब लोग इन्हीं मोबाइल नंबर पर संपर्क कर अपने लिए भी जगह मांग रहे हैं।

राप्ती नदी किनारे गुरु गोरक्षघाट, रामघाट और एकला बांध की तरफ छठ पूजा होती है। बुधवार को दोपहर एक बजे एकला बांध के पास नदी किनारे हर तरफ लकड़ी से जमीन घेरी गई थी। आसपास के गांवों के लोगों ने छठ वेदी बनाने के लिए वहां कब्जा किया था। किसी घेरे में मुकेश तो किसी में राजू लिखा था। कई जगहों पर मोबाइल नंबर भी लिखा मिला।

पास में टहल रहे नौसड़ के भोलू ने बताया कि करीब 10 दिन पहले से ही लोगों ने यहां छठ वेदी बनाने के लिए जमीन कब्जा ली है। कोई दूसरा वहां पर वेदी न बनाए इसके लिए लकड़ी से घेर भी दिया है। इसीलिए वहां पर नंबर भी लिखा है।

एक नंबर पर कॉल करने पर विकास ने उठाया। पूछने पर बताया कि उसका पूरा परिवार राप्ती नदी किनारे छठ पर्व मनाता है। पड़ोस को लेकर करीब 50 लोग वहां जाते हैं। इसीलिए थोड़ी ज्यादा जगह चाहिए। पूजन के लिए जगह मांगने पर बताया कि यदि दो चार लोग होंगे तो उसी में जगह बन जाएगी। ज्यादा लोगों के लिए दूसरी जगह तलाश करनी होगी।

गोरक्षघाट और रामघाट पर सफाई

छठ महापर्व के लिए गुरु गोरक्षघाट और रामघाट पर भी सफाई जारी है। शहर की बड़ी आबादी यहां पर छठ पूजन करती है। कुछ लोगों ने इस तरफ भी वेदी के लिए जमीन को घेरा है लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पर घाट बना हुआ है। इसलिए लोग दो–तीन दिन पहले केवल वेदी बनाकर चले जाते हैं। दूसरा कोई उस जगह पर नहीं आता।

करीब 350 स्थानों पर होगा छठ का आयोजन

छठ महापर्व के लिए नगर निगम की ओर से 80 वार्डों में करीब 350 से अधिक स्थानों पर व्यवस्था की जा रही है। सार्वजनिक अर्घ्य स्थलों की साफ–सफाई के बाद कृत्रिम तालाबों में पानी भरने, प्रकाश और पेयजल के इंतजाम किए जाएंगे।

नगर निगम की ओर से गोरखनाथ मंदिर, मानसरोवर मंदिर, राप्ती तट पर श्रीराम घाट, गोरक्षघाट, महेसरा ताल, डोमिनगढ़, तकिया घाट, हनुमानगढ़ी घाट, एकला बांध समेत कई घाटों को सजाया जा रहा है। लोगों की सुविधा के लिए पेयजल, खोया–पाया केंद्र आदि की व्यवस्था भी की जाएगी। अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा ने कहा कि शहर में स्थित विभिन्न पार्कों में भी छठ पर्व के लिए अस्थाई पोखरे तैयार किए जा रहे हैं। ईको फ्रेंडली छठ मनाने के लिए लोगों को जागरूक भी किया जाएगा।

दिव्यांग पेंशन का पैसा न देने पर डंडे से पीटकर की गई थी हत्या

गोरखपुर,संवाददाता। पुलिस ने पूछताछ के दौरान अमरजीत के घर से हत्या में प्रयुक्त डंडा भी बरामद कर लिया है। थाना प्रभारी खोराबार इत्यानंद पांडेय ने बताया कि हत्या के आरोपी अमरजीत निषाद को शुक्रवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। खोराबार थाना क्षेत्र के डुमरी गांव के बखरिया टोला में बुधवार की शाम दिव्यांग रामनिवास निषाद (45) की हत्या करने के आरोप में छोटे भाई अमरजीत को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दिव्यांग पेंशन के रुपये को लेकर हुए विवाद में छोटे भाई ने डंडे से वार कर बड़े भाई की हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में पिता गणपति निषाद की तहरीर पर छोटे बेटे अमरजीत निषाद और उसकी पत्नी श्यामरथी देवी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। बृहस्पतिवार को दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में अमरजीत ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। वहीं, पुलिस ने उसकी पत्नी को साक्ष्य के अभाव में छोड़ दिया।

गणपति ने बताया कि उनका बड़ा बेटा मृतक रामनिवास निषाद विवाहित था लेकिन उसकी पत्नी और बेटा लंबे समय से अलग रहते हैं। वह गांव में मजदूरी करता था और सरकार से दिव्यांग पेंशन भी प्राप्त करता था। इसी पेंशन से मिलने वाले पैसे से उसका खर्च चलता था।

गणपति ने बताया कि अमरजीत शराब का आदी है और नशे में अक्सर घरवालों से मारपीट करता रहता था। पिछले दस वर्षों से पिता–पुत्र का घर भी अलग था। कुछ दिन पहले रामनिवास ने बैंक से दिव्यांग पेंशन के तीन हजार रुपये निकाले और खुद खर्च कर लिए। इसी बात से नाराज होकर अमरजीत और उसकी पत्नी ने उससे विवाद किया। 21 अक्तूबर की दोपहर दोनों ने मिलकर रामनिवास की पिटाई की और शाम को फिर नशे में धुत होकर उसे कमरे में बंद कर दिया। गणपति ने बताया कि जब उन्होंने विरोध किया तो अमरजीत ने उन्हें भी धमकाया और जान से मारने की धमकी दी।

अगली सुबह जब ग्रामीणों की मदद से कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो रामनिवास मृत पड़ा था। उसके सिर से खून बह रहा था और शरीर पर चोट के कई निशान थे। सूचना पर पहुंची खोराबार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि हत्या डंडे से सिर पर वार कर की गई थी।

पुलिस ने पूछताछ के दौरान अमरजीत के घर से हत्या में प्रयुक्त डंडा भी बरामद कर लिया है। थाना प्रभारी खोराबार इत्यानंद पांडेय ने बताया कि हत्या के आरोपी अमरजीत निषाद को शुक्रवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

बड़ोदरा में क्रिकेटर बनने का सपना रह गया अधूरा, नदी में मिला डूबे कृष्ण का शव–देख बेहोश हो गईं मां

गोरखपुर,संवाददाता। पूर्वाह्न 11 बजे यात्रियों से भरी नाव करही की ओर जा रही थी। नाव में आठ लोग सवार थे जिनमें कृष भी शामिल था। नदी के बीच पहुंचते ही नाव में लगे दमकल इंजन को स्टार्ट करते ही नाव अचानक ठोकर से टकराई और टूटने लगी। गोर्रा नदी में पलटी नाव के चलते डूबे कृष्ण कुमार उर्फ कृष्णा चतुर्वेदी (17) का शव रविवार दोपहर बाद खोज निकाला गया। करही घाट पर ग्रामीणों की सूचना पर एनडीआरएफ की टीम ने नदी में उतराते शव को बाहर निकाला।

एकलौते बेटे का शव देखकर मां सुमन बेहोश होकर गिर पड़ीं। पिता मदनेश का रो–रोकर बुरा हाल था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। कृष्ण कुमार झंगहा थाना क्षेत्र के जोगिया गांव निवासी मदनेश चतुर्वेदी का एकलौता बेटा था। परिवार पहले ही एक बेटी को गंवा चुका है। करीब पांच वर्ष पहले गंभीर बीमारी से बड़ी बेटी सोनी की मौत हो गई थी।

अब कृष्ण की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कृष्ण होनहार और बेहद संस्कारी लड़का था। वह गुजरात के बड़ोदरा में हायर सेकेंडरी में पढ़ाई के साथ वहीं की क्रिकेट एकेडमी से क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रहा था। उसका सपना था कि एक दिन वह टीम इंडिया की जर्सी पहने लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

हादसे का मंजर अब भी दहला रहा दिल

शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे यात्रियों से भरी नाव करही की ओर जा रही थी। नाव में आठ लोग सवार थे जिनमें कृष भी शामिल था। नदी के बीच पहुंचते ही नाव में लगे दमकल इंजन को स्टार्ट करते ही नाव अचानक ठोकर से टकराई और टूटने लगी। देखते ही देखते नाव में पानी भर गया और लोग जान बचाने के लिए नदी में कूद पड़े। कई लोग तैरकर बाहर निकल आए लेकिन कृष्ण गहरे पानी में समा गया। एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने घंटों तलाश के बाद रविवार सुबह शव को खोज निकाला।

एकलौते बेटे का शव देखकर गश खाकर गिरीं मां

जैसे ही एनडीआरएफ की टीम शव लेकर घाट पर पहुंची, परिजन वहां पहुंच गए। अपने बेटे का चेहरा देखते ही मां दहाड़ मारकर रो पड़ीं और नदी किनारे गिरकर बेहोश हो गईं। पिता मदनेश उसे सीने से लगाकर बेकाबू होकर रोते रहे। गांव की महिलाएं भी इस मंजर को देख खुद को रोक नहीं सकीं। शव मिलने पर जोगिया गांव में मातम छा गया है। पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। हादसे की जांच जारी है। ग्रामीणों ने नाव की खराब स्थिति और लापरवाही का आरोप लगाया है। आरोपी नाविक के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी:अनुराग सिंह, सीओ, चौरीचौरा

रफ्तार का कहर...सड़क पर बिखरी लाशें

खून से सने लोग, पांच की मौत, भयानक हादसे से मातम में बदली खुशियां

आगरा,संवाददाता। थाना न्यू आगरा के केंद्रीय हिंदी संस्थान रोड स्थित नगला बूढ़ी में शुक्रवार रात को तेज रफ्तार कार ने 7 लोगों को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार डिलीवरी बॉय के साथ पांच की मौत हो गई। आगरा के नगला बूढ़ी में तेज रफ्तार कार से हुए हादसे के बाद पांच परिवारों में कोहराम मच गया। किसी ने अपनी मां को खो दिया तो किसी के बेटे की जान चली गई। परिवार का हाल बेहाल था। एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंचे परिजन फूट–फूटकर रो रहे थे। हादसे में मरने वाली बबली के परिवार में शादी थी। खुशियों का माहौल था। हादसे की जानकारी पर मातम छा गया।

बबली के परिजन ने बताया कि वह घरों में काम करके परिवार को पाल रही थीं। उनकी शादी 10 साल पहले सादाबाद के गांव मिढ़ावली निवासी हरेश से हुई थी। उनके तीन बच्चे गुंजन, बेटा कर्मवीर और गोलू हैं। कर्मवीर दिव्यांग हैं। वह कई साल पहले पति के साथ ही मायके आ गई थीं। पति मजदूरी करते हैं। वह कोठियों में काम करने जाती थीं। कुछ दिनों में उनकी भांजी की शादी होनी है।

इसके लिए वह तैयारी में लगी थीं। शुक्रवार रात को काम से लौटने के बाद वह बेटे गोलू को घर से लेकर कपड़े दिलाने ले जा रही थी। तभी उन्हें कार ने टक्कर मार दी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटे गोलू के पैरों में चोट लगी। घटना के बाद परिजन को पता चला तो इमरजेंसी पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को ले जाने का प्रयास किया तो हंगामा कर दिया। पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की। बाद में पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत किया।

ऑर्डर देकर लौटना था, जिंदगी छिन गई

फूड डिलीवरी कंपनी में काम करने वाले आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर–1 निवासी भानु प्रताप मिश्रा (28) की शादी तीन साल पहले रामा से हुई थी। परिजन ने बताया कि उनका डेढ़ साल का बेटा चेतन है। भानु सुबह 10 बजे काम पर निकले थे। उन्हें रात में घर आना था। एक ऑर्डर डिलीवर करने के लिए घर से निकले थे। उन्हें सबसे पहले कार ने चपेट में लिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

छोटा भाई लखन है। पिता कूलर की दुकान चलाते हैं। घटना की जानकारी पर परिजन इमरजेंसी पर पहुंचे। पिता का कहना था कि अब कौन सहारा बनेगा। वहीं पत्नी बेहाल हो गईं। वह रोये जा रही थी। उन्हें परिवार के लोगों ने किसी तरह संभाला।

कपड़े खरीदने जा रहे थे दोस्त

नगला बूढ़ी निवासी कमल (24) पेंटर थे। तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था। दो साल पहले डिलीवरी के 10 दिन बाद पत्नी की मौत हो गई थी। उनका दो साल का बेटा है। रात तकरीबन आठ बजे वह दोस्त कृष उर्फ कृष्णा के साथ बाजार जाने के लिए घर से निकले थे।

परिजन ने बताया कि कृष्णा के बड़े भाई नरेंद्र को लड़की वाले देखने आने वाले थे। इसके लिए कपड़े खरीदने जा रहे थे।

नगला बूढ़ी चौराहे के पास ही उन्हें कार ने टक्कर मारी थी। घटनास्थल के पास ही उनका घर है। जानकारी पर परिजन आए। उन्होंने दोनों को सड़क पर पड़ा देखा। उनके सिर में चोट लगी हुई थी। सड़क पर खून ही खून बिखरा हुआ था। इससे वह दोनों को अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सब्जी लेकर लौट रहे थे मजदूर बंटेश

नगला बूढ़ी निवासी बंटेश (50) मजदूरी करते थे। उनके छोटे भाई देवी सिंह ने बताया कि बंटेश साथ ही रहते थे। उनके माता–पिता की पूर्व में मौत हो गई थी। बंटेश रात में सब्जी लेने के लिए घर स निकले थे। इसके बाद वापस आ रहे थे। तभी कार डिवाइडर से टकरा गई। पलटे खाने लगी। बंटेश भी चपेट में आ गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया।

सरयू नदी के कटान ने बढ़ाई परेशानी, पांच घर...

गोरखपुर,संवाददाता। गांव के धर्मेंद्र यादव, रमाकांत , सुरजभान,फूलचंद यादव,रजींदर यादव, परवीन यादव, अरविंद, संतोष यादव, सर्वजीत,रामजीत, उदयभान, महेंद्र, सुरेंद्र, झब्बू, कमलेश सिंह,राम अशीष सिंह समेत कुल आठ लोगों के मकान सरयू नदी की कटान के मुहाने पर हैं। बड़हलगंज ब्लाक क्षेत्र के दियारा में बीते ढाई महीने से इलाके में प्रवाहित होने वाली सरयू नदी से कटान हो रहा है। शनिवार की भोर में ज्ञानकोल गांव में सरयू की तेज लहरों ने जयप्रकाश यादव , अशोक यादव और कंता यादव के पक्के मकान को अपनी तेज धार के बहाव में ले लिया। गांव के बचे आठ घर पहले से ही कटान की जद में हैं। अबतक कुल पांच घर और करीब 200 बीघा खेते भी सरयू नदी में कटकर समा चुके हैं। गांव के धर्मेंद्र यादव, रमाकांत , सुरजभान,फूलचंद यादव,रजींदर यादव, परवीन यादव, अरविंद, संतोष यादव, सर्वजीत,रामजीत, उदयभान, महेंद्र, सुरेंद्र, झब्बू, कमलेश सिंह,राम अशीष सिंह समेत कुल आठ लोगों के मकान सरयू नदी की कटान के मुहाने पर हैं।

अगर कटान इसी तरह जारी रही तो ये मकान भी सरयू नदी में समा सकते हैं। कुछ मिलाकर ज्ञानकोल गांव का अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है।कटान के कारण ज्ञानकोल गांव में अफरातफरी का माहौल है। लोग अपना–अपना समान समेटकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। ज्ञानकोल गांव का लगभग दो तिहाई हिस्सा सरयू नदी में समा चुका है। कटानरोधी कार्यों में अनियमितता के कारण ग्रामीण कटान को जिम्मेवार ठहराते हुए बाढ़ खंड के अधिकारियों को कोष रहे हैं। गांव में कटान के कारण बेघर हुए लोगों की बेबसी लाचारी को देखने वाला भी कोई नहीं है। अबतक कटान पीड़ितों को राहत नहीं पहुंचाई है।

स्मृति दिवस, कृतज्ञ जनमानस की दादा गजेंद्र को भावपूर्ण श्रद्धांजलि एमएलसी अंगद बनवाएंगे स्मृति द्वार

बाराबंकी। दादा गजेन्द्र सिंह का व्यक्तित्व वास्तव में एक सच्चे नेता का था, जो राजनीति से ऊपर उठकर आम जनता के लिए काम करते थे। उनके मार्गदर्शन में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और लोगों की समस्याओं का समाधान करने में मदद मिली। उनकी आवामी छवि ने उन्हें लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान दिलाया। उनकी विरासत आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जनमानस ने गजेंद्र सिंह के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की। इस मौके पर लोगों ने उनके जीवन और कार्यों को याद किया और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। गजेंद्र सिंह के प्रति दिखाई गई श्रद्धा और सम्मान उनके प्रति लोगों के प्यार और सम्मान को दर्शाता है। स्मृति दिवस में पधारे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद डॉ पी.एल पुनिया, पूर्व विधायक स्व. दादा गजेन्द्र सिंह के निवास ग्राम हसनापुर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कही। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मो. मोहसिन ने कहा कि दादा गजेंद्र सिंह के प्रयासों से रामनगर डिग्री कालेज तहसील व संजय सेतु जैसे बड़े निर्माण कांग्रेस ने कराए। दादा गजेन्द्र सिंह कांग्रेस के मार्ग दर्शक थे उनका व्यक्तित्व राजनीतिज्ञ से अधिक आवामी था। मुझे अल्प समय में उनका सानिध्य प्राप्त हुआ, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। उसका लाभ मुझे राजनीतिक जीवन में मिला। आज उन जैसे जनप्रतिनिधियों की कमी है नई पीढ़ी को उनके आदर्शों व विचारों का अनुसरण करना चाहिए। आज मुझे गर्व है कि हम आज उसी पार्टी का अध्यक्ष हूँ। आयोजन का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य अंगद कुमार सिंह ने चित्र पर माल्यार्पण कर किया। अपने संबोधन में विधान परिषद सदस्य अगंद सिंह ने कहा कि पूर्व विधायक स्व.दादा गजेंद्र सिंह स्मृति द्वार के निर्माण की घोषणा की। पूर्व मंत्री हुक्म सिंह के पौत्र शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि गजेन्द्र सिंह से संबंध बताने पर मुझे गर्व होता है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम को बृजमोहन वर्मा सिटी इंटर कॉलेज के प्राचार्य विजय प्रताप सिंह ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के आयोजक वीरेंद्र विक्रम बहादुर सिंह दद्दू शिवकुमार सिंह नेक चन्द्र त्रिपाठी सचिन त्रिपाठी प्रवीण कुमार शिवदर्शन दर्शन वर्मा अमर सिंह रामनरेश वर्मा श्याम सिंह एडवोकेट विजय प्रताप सिंह पुष्पेन्द्र कुमार सिंह निर्मल वर्मा जितेंद्र श्रीवास्तव जितू भैया मालती सिंह रामा सिंह दीक्षा सिंह श्याम बहादुर सिंह किरन सिंह अक्षिता चंदेल उमेश सिंह राजा सिंह व शैलेंद्र बहादुर लल्ला भैया बरेली से पधारी गार्गी सिंह जंगहोरे आदि प्रमुख व्यक्तियों ने पुष्प चढा कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

संस्कार भारती ने किया मुल्ला भीरी में भव्य दीपोत्सव एवं भजन संध्या

25,000 दीपकों से जगमगा उठा नर्मदेश्वर महादेव मंदिर

सीतापुर। पिसावां विकासखंड के नर्मदेश्वर नगर (मुल्ला भीरी) में संस्कार भारती के तत्वावधान में आयोजित भव्य दीपोत्सव ने क्षेत्र में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्साह का अनुपम माहौल सृजित किया। नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के सरोवर को 25,000 दीपकों की रौनक से सजाया गया। जिसने पूरे परिसर को प्रकाशमय कर दिया। इस भव्य आयोजन में लगभग पांच हजार लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और भजन संध्या के माध्यम से भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में लखनऊ की हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आकाशवाणी की प्रसिद्ध कलाकार सरिता तिवारी, नरेंद्र मृदुल और सीतापुर की आयुषी पांडे ने अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। इन कलाकारों की भक्ति भरी स्वर लहरियों ने आयोजन को और भी आलौकिक बना दिया। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। आमंत्रित मुख्य अतिथि गिरीश द्वारा इस अवसर पर मुल्ला भीरी का नाम बदलकर नर्मदेश्वर नगर करने के प्रस्ताव पर जनसमूह ने तलियों की गड़गड़ाहट के साथ भारी समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि नर्मदेश्वर महादेव मंदिर को धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा। जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने दीपोत्सव की प्रशंसा करते हुए कहा, यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। संस्कार भारती ने इस भव्य दीपोत्सव के माध्यम से मुल्ला भीरी को एक नई पहचान दी है। यह प्रयास हमारी सनातन संस्कृति को जीवंत रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्था के सह महामंत्री मोहित शुक्ला ने कहा कि अगले वर्ष नर्मदेश्वर महादेव के मंदिर परिसर में 51000 हजार दीपक जलाए जाने की योजना है और यह आयोजन आज से हर वर्ष आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के अध्यक्षता संस्कार भारती जिलाध्यक्ष शिवप्रताप जायसवाल ने की तथा संचालन कवि सुनीत बाजपेयी ने किया। इस अवसर पर प्रांतीय टोली सदस्य साहित्य कला इंजी. अम्बरीष श्रीवास्तव अम्बर, पूर्व जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा, राकेश त्रिपाठी, राहुल मिश्रा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संगठन मंत्री अजय प्रताप शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य मनोज मिश्र, अरविंद रस्तोगी रिंकू, सत्यदेव मिश्रा, मुकेश मिश्रा, महंत संतोष दास खाकी, महंत अंजनी महराज, डॉ. मनोज दीक्षित, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र श्रीवास्तव, रामदास वैश्य 'रामू', महेश जायसवाल, डॉ. सतीश चंद्र वर्मा (संरक्षक), अतन शुक्ला मंचीय कला संयोजक, आकांक्षा शुक्ला, बालगोविंद द्विवेदी (उपाध्यक्ष), राजकुमार तिवारी और करुणा शंकर कटियार जैसे गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

माझी समाज द्वारा भव्य रामकोट परिक्रमा संपन्न

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में माझी मझवार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष रामजस माझी के नेतृत्व में भव्य रामकोट यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का शुभारंभ भगवान श्रीराम मंदिर परिसर से हुआ और समापन भी मंदिर पर ही हुआ। यात्रा में तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज ने विशेष रूप से नेतृत्व किया। वहीं, राम जस के मार्गदर्शन में यात्रा ने परिक्रमा पथ का भ्रमण किया। यात्रा में अयोध्या के विभिन्न संत-महंतों, तीर्थ पुरोहितों एवं सैकड़ों की संख्या में माझी समाज के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। सभी ने भगवान श्रीराम के जयकारों से पूरी अयोध्या को राममय कर दिया माझी समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष रामजस माझी ने कहा कि यह यात्रा समाज में एकता, भक्ति और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। उन्होंने बताया कि समाज के उत्थान और धर्म के प्रति आस्था को सशक्त करने के लिए ऐसे आयोजनों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, पुष्प वर्षा और राम नाम के जयघोषों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा।

तेज रफ्तार ट्रक डंपर से टकराया, एक की मौत

सिधौली (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र के गडिया हसनपुर के निकट नेशनल हाईवे पर लखनऊ की ओर से आ रहा एक ट्रक सड़क किनारे खड़े डंपर से जोरदार तरीके से टकरा गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक जमील पुत्र महबूब निवासी महामऊ, सण्डीला (लखनऊ रिफर) ट्रक चला रहा था। वहीं मृतक तौकीम पुत्र चंगा निवासी लखिरियनखेड़ा, सण्डीला, हरदोई ट्रक में ही सवार था। वह भी ट्रक का ड्राइवर ही बताया जा रहा है। बताया जाता है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों व्यक्ति ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गए। स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने तौकीम को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल जमील को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने ट्रक और डंपर को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राम भक्त को लंका में भी, राम भक्त मिल जाता है....

सीता इण्टर कालेज में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

महमूदाबाद (सीतापुर) सीता इंटर कालेज के विशाल प्रांगण में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में जहां एक ओर प्रसिद्ध कवियों ने अपनी प्रखर राष्ट्रभक्ति पूर्ण रचनाओं से देशभक्ति की सरिता बहाई वहीं हास्य, व्यंग की रचनाओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। राष्ट्रवादी कवि महेंद्र कुमार शास्त्री सरल के जन्मदिन की स्मृति में 25 अक्टूबर को आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ विधानसभा कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा व आकाश मौर्य ने दीप प्रज्ज्वलन तथा मां सरस्वती, शास्त्री जी, विद्यालय के संस्थापक स्व. लक्ष्मीकांत रस्तोगी व सीता रस्तोगी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर के किया। कवि सम्मेलन में काव्यपाठ करने आये कवियों को स्मृति चिन्ह, चूनर व उत्तरीय भेंट कर सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन बाबा महाकाल की नगरी मध्य प्रदेश के उज्जैन से पधारे ओज एवं शौर्य के प्रसिद्ध हस्ताक्षर महेंद्र मधुर की वाणी वंदना से शुरू हुआ। उन्होंने कविता पाठ करते हुए गो हत्यारों के लिये पढ़ा कि 'सरकारी मेहमान बनाकर मत रखो तहखाने में, गाय काटने वालों के अब हाथ काट दो थाने में। उन्होंने पढ़ा कि 'कहां किसको कभी गुजरी कहानी याद रहती है, न राजा याद रहता है न रानी याद रहती है। मोहब्बत में ही ताकत है जो दुनिया को अमर कर दे, हमें सदियों तलक मीरा दीवानी याद रहती है। श्री कृष्ण की नगरी मथुरा से पधारे अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ओज व शौर्य के प्रसिद्ध कवि मनवीर मधुर ने 'राम कृपा यदि हो जाये तो, हृदय पुष्प खिल जाता है। घोर कष्ट भी हो जीवन में, वो हंसकर झिल जाता है। पूरे मन से चाहा हो तो, फिर दुश्मन का देश सही। राम भक्त को लंका में भी, राम भक्त मिल जाता है' सुनाकर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। श्रोताओं को गुदगुदाते हुए कवि सम्मेलन का सफल संचालन कर रहे बाराबंकी से पधारे हास्य के हाहाहूती कवि विकास बौखल ने पढ़ा कि 'किसी खंजर से न तलवार से जोड़ा जाए, सारी दुनिया को चलो प्यार से जोड़ा जाए। ये किसी शख्स को दोबारा न मिलने पाए, प्यार के रोग को आधार से जोड़ा जाए। देश के जाने-माने गीतकार लखीमपुर से पधारे ज्ञान प्रकाश आकुल ने पढ़ा कि 'चांदी सोना एक तरफ तेरा होना एक तरफ। एक तरफ आंखें तेरी, जादू टोना एक तरफ। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे ओज व शौर्य के प्रसिद्ध हस्ताक्षर बाराबंकी से पधारे रामकिशोर तिवारी किशोर ने 'तुम स्वयं अपना दीपक जलाओ सखे, सो गई चेतना को जगाओ सखे। रोशनी खुद तुम्हें देखने आएगी, यह निराशा की चादर हटाओ सखे' सुनाकर लोगों को सोचने पर मजबूर किया। वागीश दिनकर ने पढ़ा कि 'सपने सारे सुहाने तुम्हारे लिए, जादू टोनें कराएं तुम्हारे लिए। एक सदी सा लगा एक दिन प्रेम का, फिर भी हम काट लाए तुम्हारे लिए। प्रसिद्ध गीतकार विनोद गुप्त ने पढ़ा की 'सुंदर लिखो पृष्ठ रंग डालो, कविता की पुस्तक छपवा लो। कविता पाठ करते हुए अनिल गुप्त ज्योति ने पढ़ा कि 'भारत की पावन धरती पर, देखो फिर से गूंजा शंखनाद। मृत्युंजय वाजपेयी ने भी कविता पाठ किया। कार्यक्रम में पधारी शास्त्री जी धर्मपत्नी कृष्णा वाजपेयी के साथ अतिथियों व सभी कवियों को सीता ग्रुप, महाकाल सेवा समिति व विधायक आशा मौर्य द्वारा स्मृति चिन्ह, चूनर व उत्तरीय भेंट कर स्वागत किया गया। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक, शैक्षिक संस्थाओं से जुड़े सम्भ्रांत लोगों के साथ हजारों श्रोता देर रात तक दो चक्र में चले कवि सम्मेलन का आंनद लेते रहे। आभार प्रदर्शन संस्था के डिप्टी मैनेजर वागीश दिनकर वाजपेयी ने किया।

अवैध शस्त्र सहित हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

साण्डा-सकरन (सीतापुर)। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपद में सघन चेकिंग एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। उक्त दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी बिसवां अमन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना सकरन पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान शातिर अभियुक्त तोताराम पुत्र कामता पासी निवासी ग्राम कोडवा धमधमपुर थाना रेउसा जनपद सीतापुर को 01 अदद नाजायज तमंचा 12 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त उपरोक्त थाना रेउसा का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है जिसके विरूद्ध पूर्व में भी चोरी, लूट, अवैध शस्त्र, एनडीपीएस एक्ट, गैंगेस्टर एक्ट जैसे करीब 02 दर्जन अभियोग पंजीकृत है। बरामद अवैध शस्त्र के संबंध में मु0अ0सं0 337/2025 धारा 25(1-ठ) आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त का चालान न्यायालय किया गया।

आवश्यकता पड़ने पर होगी नैमिष में टूरिज्म पुलिस की स्थापना: डीजीपी

सीतापुर। शनिवार देर शाम पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण शनिवार अपनी पत्नी के साथ नैमिषारण्य तीर्थ पहुंचे। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की तत्पश्चात डीजीपी राजीव कृष्ण अपनी पत्नी के साथ निजी कार्यक्रम के तहत सबसे पहले चक्रतीर्थ पहुंचे। यहां उन्होंने कुंड पर आचमन और पूजन-अर्चन किया। इसके उपरांत उन्होंने मां ललिता देवी मंदिर में मत्था टेका और पत्नी के साथ पूजन किया। इस दौरान एडीजी लखनऊ सुजीत पांडे, डीएम अभिषेक आनंद और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल सहित अन्य पुलिस व पीएसी के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। बैठक के उपरांत डीजीपी ने मीडिया से बातचीत करते हुए नैमिषारण्य में टूरिज्म पुलिस स्थापित करने की संभावना जताई। उन्होंने कहा कि मथुरा, आगरा और बनारस की तर्ज पर नैमिष में भी आवश्यकता पड़ने पर टूरिज्म पुलिस की स्थापना की जाएगी। डीजीपी ने बिहार में होने वाले चुनावों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश की सीमाओं पर लगातार चेकिंग अभियान चलाने और अवैध नकदी व शराब जब्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम सुरक्षा समितियों को भी सक्रिय रखने पर जोर दिया। डीजीपी ने कहा कि यूपी में बढ़ते साइबर अपराधों के लिए अब प्रत्येक थाने में साइबर डेस्क स्थापित किए जाएंगे। ये डेस्क लगातार अपराधों पर निगरानी रखेंगे और त्वरित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक साइबर अपराध से जुड़े 24 प्रतिशत पैसों को सीज किया जा चुका है और इसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। दर्शन-पूजन के बाद देर रात डीजीपी ने नैमिष थाने का औचक निरीक्षण किया। थाने में गंदगी मिलने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और थानाध्यक्ष पंकज तिवारी को साफ-सफाई व व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र सहित अन्य विभिन्न पटलों का भी जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री के मिशन शक्ति अभियान की समीक्षा की और आठ महिला पुलिस कर्मियों से बातचीत कर उनके कार्य की सराहना की।

रोशनी से सराबोर हुई गोरक्षनगरी

दीयों की रोशनी से नहाया शहर..खूब फूटे पटाखे- ऐसे मनाई गई दीपावली

गोरखपुर,संवाददाता। मंत्रोंच्चारण के बीच शाम 5:41 बजे से लेकर रात 9.06 बजे तक वृष की स्थिर लग्न, हस्त नक्षत्र में की गई। पूजा स्थान को सजाया गया, आसन पर मां लक्ष्मी व भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित किया गया। कुबेर की प्रतिमा भी रखी गई। नारियल, मिठाई, फूल (लाल या सफेद) अर्पित करें और धूप, कपूर, घी का दीपक जलाए गए। अक्षत, रोली, कुमकुम, गंगाजल, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, शक्कर) और पान के पत्ते पूजन में अर्पित किया गया। रोशनी व दीपोत्सव का त्योहार सोमवार को आस्था व उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। झालर और दीयों की रोशनी से गोरक्षनगरी रोशन हो गई। रात में जबर्दस्त आतिशबाजी के कारण पूरा आसमान रंगीन हो गया। गली, मोहल्ला, प्रतिष्ठान, घर रोशन दिखाई दिए जो अलग ही छटा बिखेर रही थी।

रात तक बच्चे व बड़ों ने पटाखे व फुलझड़ियां जलाईं। पूजा–अर्चना व दीपोत्सव के बाद लोगों ने मिठाई व प्रसाद खिलाकर एक–दूसरे को दिवाली की बधाई दी। गोरखनाथ मंदिर में भी रात में

दीपोत्सव किया गया। सतरंगी रोशनी से बाबा गोरक्षनाथ का दरबार चमक उठा। लोगों ने सुबह से ही दिवाली के पूजन को लेकर तैयारी शुरू कर दी। साफ–सफाई करने के बाद बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शाम होते ही घर, प्रतिष्ठान, मंदिर आदि झालर की रोशनी से जगमग हो उठे। हर तरफ सड़कें व गलियां रोशन रहीं। इसके बाद शुभ मुहूर्त में माता महालक्ष्मी व गणेश के पूजन–अर्चन की तैयारी शुरू कर दी गई।

माता महालक्ष्मी व भगवान गणेश की पूजा–अर्चना वैदिक मंत्रोंच्चारण के बीच शाम 5:41 बजे से लेकर रात 9. 06 बजे तक वृष की स्थिर लग्न, हस्त नक्षत्र में की गई। पूजा स्थान को सजाया गया, आसन पर मां लक्ष्मी व भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित किया गया। कुबेर की प्रतिमा भी रखी गई। नारियल, मिठाई, फूल (लाल या सफेद) अर्पित करें और धूप, कपूर, घी का दीपक जलाए गए। अक्षत, रोली, कुमकुम, गंगाजल, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, शक्कर) और पान के पत्ते पूजन में अर्पित किया गया। इसके बाद लोगों ने लक्ष्मी–गणेश को फल, लावा, गट्टा मिठाई आदि अर्पण किया। पूजा के दौरान शंख बजाया गया व लक्ष्मी मंत्रों का जाप भी लोगों ने किया।

पूजा के आखिर में मां लक्ष्मी की आरती की गई। पूजा में कमल के फूल को जरूर शामिल किया गया। पूजा–अर्चना के अंत में लोगों ने घर, प्रतिष्ठान व मंदिरों में दीपोत्सव किया। घर का हर कोना दीयों, मोमबत्ती व झालरों की रोशनी से जगमग हो उठा। इसके बाद लोगों ने पटाखे जलाना शुरू किया। बच्चे, नौजवान व बुजुर्गों ने पूरे परिवार के साथ पटाखे व फूलझड़ी जलाए। लोगों ने मिठाई खिलाकर व बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। देर रात तक बधाई देने का दौर जारी रहा। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने देर रात तक एक–दूसरे को बधाई दी। साथ ही देर रात में भी घर के पूजा स्थल पर लक्ष्मी पूजा की गई। बताया जा रहा है कि रात में लक्ष्मी की आराधना के माता प्रसन्न रहती हैं व धन–धान्य से भरपूर करती हैं।

युवक की मौत के बाद सड़क पर शव रख किया प्रदर्शन

गोरखपुर,संवाददाता। गीडा थाना क्षेत्र के नौसढ़ चौकी में आने वाले जवाहर चक निवासी 40 वर्षीय हनुमान चौहान पुत्र अदालत चौहान चार अक्टूबर को अपने घर पर खड़े थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश में एक युवक सिर पर रॉड से हमला कर भाग गया। हनुमान की पत्नी लक्ष्मीना की तहरीर पर पुलिस जवाहर चक निवासी रोशन चौहान के खिलाफ केस दर्ज कर ली थी। गीडा थाना क्षेत्र के नौसढ़ चौकी के जवाहर चक में 4 अक्टूबर को मारपीट में घायल 40 वर्षीय युवक हनुमान चौहान की मौत के बाद ग्रामीण भड़क गए। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने पहले खजनी मोड़ पर हरैया के पास सड़क पर शव रख प्रदर्शन कर जाम लगा दिया।

इसके बाद ग्रामीण नौसढ़ चौराहे पर पहुंच कर जाम लगा दिए। उग्र ग्रामीणों ने एक सरकारी बस का शीशा भी तोड़ दिया। जाम के दौरान वाराणसी हाइवे, खजनी मार्ग और सहजनवा मार्ग पूरी तरह से

जाम हो गया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस समझा बुझाकर लोगो को शांत कराई। गीडा थाना क्षेत्र के नौसढ़ चौकी में आने वाले जवाहर चक निवासी 40 वर्षीय हनुमान चौहान पुत्र अदालत चौहान चार अक्टूबर को अपने घर पर खड़े थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश में एक युवक सिर पर रॉड से हमला कर भाग गया। हनुमान की पत्नी लक्ष्मीना की तहरीर पर पुलिस जवाहर चक निवासी रोशन चौहान के खिलाफ केस दर्ज कर ली थी।

हमले में घायल हनुमान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां से लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान सोमवार को हनुमान की मौत हो गई। शव के घर पहुंचने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने गोरखपुर खजनी मार्ग पर हरैया मोड़ के पास शव को सड़क पर रख प्रदर्शन करने लगे और जाम लगा दिया।

जाम की सूचना मिलते ही पुलिस के हाथ पांव फूल गए। एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस फोर्स ग्रामीणों को मनाने में जुट गई। आक्रोशित ग्रामीण धीरे धीरे नौसढ़ चौकी चौराहे पर पहुंच कर जाम कर दिए। इस दौरान कुछ ग्रामीण पथराव भी किए, जिससे मऊ डिपो की सरकारी बस का शीशा भी टूट गया। इसके बाद ग्रामीण नारेबाजी करने लगे। ग्रामीण दोषियों पर कार्रवाई और मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग कर रहे थे। करीब दो घंटे से समझाने के बाद एसपी नार्थ के आश्वासन पर ग्रामीण शांत हुए। एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने 48 घंटे के अन्दर आरोपित के गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने पिकअप में रख ली। इसी दौरान ग्रामीण बिना कार्रवाई के शव ले जाने पर नाराज हो गए। ग्रामीण और स्वजन शव को वाहन से उतारने लगे तो पुलिस ने रोकने की कोशिश की। इसको लेकर ग्रामीणों और पुलिस में हाथापाई की नौबत आ गई और ग्रामीणों से नोंकझोंक होने लगी। मामला बढ़ता देख पुलिस बैकफुट आ गई और ग्रामीण गाड़ी से शव को नीचे उतार दुर्गा मंदिर के पास शव को सड़क पर रख बैठ गए। ग्रामीणों के शव रख कर प्रदर्शन करने से चारों तरफ जाम लग गया। सबसे पहले खजनी मार्ग पर जाम लगा। इसके बाद देखते ही देखते सहजनवा हाइवे भी जाम हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई। वाराणसी हाइवे पर जाम के कारण बाघागाड़ा तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम के कारण शहर से निकलना भी मुश्किल हो गया है ।

जूतों के गोदाम में लगी भीषण आग

10 लाख का सामान जला फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

अमेठी,संवाददाता। जूतों के गोदाम में भीषण आग लग गई। आग से 10 लाख का सामान जल गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यूपी के अमेठी में सोमवार की रात जूतों के गोदाम में आग लग गई। घटना से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आग की लपटें देख लोग घरों से बाहर आ गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

घटना आर्य समाज स्कूल के पास गुड़मंडी की है। यहां के निवासी राजेंद्र गुप्ता के मकान में संग्रामपुर निवासी राजेश शुक्ल की जूते–चप्पलों की गोदाम थी। सोमवार की आधी रात करीब 1 बजे गोदाम में आग लग गई। दीपावली पर्व के चलते बाजार आवाजाही कम होने से घटना का पता तुरंत नहीं चल सका। कुछ देर बाद जब लपटें उठने लगीं तो आसपास के लोगों ने देखा और मकान मालिक को सूचना दी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। इस दौरान एहतियात के तौर पर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई थी। आग से गोदाम में रखे जूते, चप्पल, पैकिंग सामग्री और अन्य सामान जल गया। अनुमान है कि करीब 10 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। आग कैसे लगी, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो बच्चों की मां का 'देवर' से अफेयर...

पहले प्रेमी के साथ हुई फरार, अब महिला ने 21 साल के युवक संग दी जान

मेरठ,संवाददाता। बिजनौर में दो बच्चों की मां ने प्रेमी के साथ खुदकुशी कर ली। इससे पहले एक अक्तूबर को दोनों घर छोड़कर चले गए थे। पुलिस ने दोनों को 14 दिन बाद बरामद कर लिया था। दिवाली पर दोनों ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। बिजनौर के किरतपुर में प्रेम प्रसंग के चलते 39 साल की महिला ने अपने दो बच्चों को छोड़कर 21 साल के प्रेमी संग जहरीला पदार्थ का सेवन कर खुदकुशी कर ली। दोनों की एक साथ मौत से गांव में सन्नाटा पसर गया। दोनों की मौत के कारण गांव में दीपावली भी नहीं मनाई गई है।

किरतपुर क्षेत्र के एक गांव में महिला का गांव निवासी अपने रिश्ते के देवर (21) से अफेयर चल रहा था। दोनों का प्रेम परवान चढ़ा तो महिला अपने दो बच्चों को छोड़कर एक अक्टूबर 2025 को फरार हो गई। दोनों एकांत में जिंदगी जीना चाहते थे। मगर पति ने पत्नी और प्रेमी के खिलाफ थाना किरतपुर में रिपोर्ट दर्ज कर दी। पुलिस ने दोनों को तलाश किया और दोनों को 14 दिन बाद बरामद कर लिया। सूत्र बताते हैं कि थाने में महिला ने दोनों बच्चों को देखने के बाद भी प्रेमी संग जाने के लिए कह दिया। लेकिन समझने–बुझाने पर वह अपने पति के साथ घर आ गई। 15 अक्तूबर को आरती अपने पति साथ चली गई। ठीक पांच दिन बाद दीपावली के दिन करीब एक बजे महिला और उसके प्रेमी घर से कुछ ही दूरी के फासले पर एक गन्ने के खेत में चले गए। यहां दोनों ने साथ में मिलकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

प्रेमी ने अपने बड़े भाई को दी जहर पीने की सूचना

जब जहर का असर होने लगा तब प्रेमी ने अपने बड़े भाई को जहर पीने की सूचना दी। साथ ही बताया कि दोनों गन्ने के खेत में पड़े हैं। सूचना पर परिवार में हड़कंप मच गया। परिवार समेत ग्रामीण खेत पर पहुंचे और 108 एम्बुलेंस को बुलाया।

इलाज के दौरान दोनों की मौत

एंबुलेंस चालक ने दोनों की नाजुक हालत देखते हुए किरतपुर पुलिस को सूचना दी। जिस पर पुलिस ने दोनों को तुरंत बिजनौर भेज दिया गया। जहां उपचार के दौरान शाम पांच बजे दोनों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने शवों को मोर्चरी पहुंचा दिया। मृतक महिला के पति शव बिजनौर से सीधे बैराज ले गए। जबकि प्रेमी का शव उसके परिजन गांव ले आए।

गांव निवासी शख्स (45) की शादी साल 2011 में नजीबाबाद के गांव जहानाबाद निवासी महिला के साथ हुई थी। दोनों की एक बेटी 10 वर्ष और एक बेटा सात वर्ष है। सब कुछ ठीक–ठाक चल रहा था, दो साल पहले महिला के जीवन में परिवार के एक युवक की एंट्री हो गई।

देवर भाभी का अफेयर

दोनों के बीच प्यार हो गया। दोनों का प्यार परवान चढ़ने लगा। युवक के इश्क की खुशबू ग्रामीण तक पहुंची तो परिवार की इज्जत का वास्ता देकर दोनों को एक दूसरे से अलग कर दिया गया। युवक को गांव से बाहर रोशनाबाद हरिद्वार काम के लिए भेज दिया गया। मगर इश्क भूत उतरने की बजाय और परवान चढ़ गया। एक अक्तूबर को महिला अपने दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई। महिला पर प्रेम का भूत ऐसा चढ़ा कि उसे ना तो समाज की परवाह हुई और ना ही उसने अपने दो मासूम बच्चों के भविष्य की चिंता की। दिवाली पर गांव में दो मौत से सन्नाटा पसरा है और ग्रामीण दोनों की चर्चाएं कर रहे हैं।

मुम्बई,एजेंसी। अहान पांडे और अनीत पड्डा ने फिल्म सैयारा से बॉलीवुड में कदम रखा है. इन दोनों की पहली फिल्म ही हिट साबित हुई है और सैयारा के बाद से अनीत–अहाना हर जगह छाए हुए हैं. फिल्म में तो दोनों की केमिस्ट्री को पसंद ही किया गया था मगर लगता है रियल लाइफ में भी दोनों डेट कर रहे हैं. अनीत ने हाल ही में अपना 23वां बर्थडे सेलिब्रेट किया है. अनीत के बर्थडे पर अहान ने कुछ फोटोज शेयर की हैं. जिसे देखकर कहा जा रहा है कि इन्होंने अपना रिलेशनशिप कंफर्म कर दिया है. अनीत और अहान की बॉन्डिंग देखने वाली है. दोनों अक्सर साथ में नजर आते हैं. अब अनीत के बर्थडे की ढेर सारी फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. जिसके बाद से फैंस कह रहे हैं कि इन्होंने अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी है.

अनीत ने अपना 23वां बर्थडे बहुत ही धूमधाम से दोस्तों के साथ मनाया है. बर्थडे पार्टी में अहान भी शामिल हुए थे. एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें अहान अनीत को केक खिलाते नजर आ रहे हैं. वहीं अहान ने कुछ अपने इंस्टाग्राम पर अनीत की फोटोज भी शेयर की हैं. एक फोटो में दोनों बहुत क्लोज नजर आ रहे हैं. ये एक सेल्फी है जिसमें अनीत मस्ती करती नजर आर रही हैं वहीं अहान इस पल को आंख बंद करके एंजॉय कर रहे हैं. आखिर में एक वीडियो शेयर की है जिसमें दोनों कॉन्सर्ट में अपने रिस्टबैंड दिखाते नजर आ रहे हैं.

29 साल रश्मिका मंदाना पर भारी पड़ी 51 वर्षीय मलाइका अरोड़ा

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की मचअवेटेड फिल्म 'थामा' का नया गाना 'प्वॉइजन बेबी ' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. इस गाने में बॉलीवुड की 51 वर्षीय मलाइका अरोड़ा 29 साल की रश्मिका मंदाना पर भारी पड़ते हुए नजर आ रही हैं. वहीं मलाइका के मूव्स से दर्शकों का दिल जीत रही हैं. 13 घंटो में ही यूट्यूब पर इस गाने को 39 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और फैंस तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं. थामा के लेटेस्ट गाने प्वॉइजन बेबी में मलाइका अरोड़ा के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में नजर आ रही हैं. गाने को जैस्मीन सैंडलस, सचिन–जिगर और दिव्या कुमार ने गाया है. गाने की शुरुआत मलाइका के डांस से होती है, जिसके बाद आयुष्मान खुराना के कैरेक्टर की एंट्री होती है. वहीं फिर रश्मिका मंदाना की एंट्री होती दिख रही हैं.

नोरा फतेही का गाना भी हुआ था हिट

इससे पहले थामा का गाना दिलबर की आंखों का आया था, जिसमें नोरा फतेही नजर आई थीं. इसे रश्मीत कौर और जिगर सरैया ने आवाज दी, जबकि इसके बोल मशहूर गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे. संगीत की जादूगरी सचिन–जिगर की जोड़ी ने की है. नोरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि गाना रिलीज होने के महज 10 मिनट में 1.2 मिलियन व्यूज हासिल कर चुका है. अभिनेत्री ने वीडियो में उत्साह भरे अंदाज में कहा, "मेरे फैंस का प्यार देखकर दिल खुश हो गया. गाना रिलीज होते ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है. इसे और देखें बता दें, 'थामा' एक रोमांटिक–कॉमेडी हॉरर फिल्म है, जो मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की पांचवीं कड़ी है. इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है. इसकी पटकथा नीरेन भट्ट, सुरेश मैथ्यू और अरुण फलारा ने लिखी है. फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इनके साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम किरदारों में दिखेंगे. 'थामा' एक वैम्पायर की अनोखी प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका से मिलने के बाद वैम्पायर बन जाते हैं और उनके पास अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं. 'थामा' 21 अक्टूबर को दीपावली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

थामा के प्वाइजन बेबी में छाईं मलाइका अरोड़ा

29 साल की रश्मिका मंदाना पर भारी पड़ी 51 वर्षीय मलाइका अरोड़ा, थामा के प्वाइजन बेबी गाने को देख फैंस हुए फिदादीवाली पर रिलीज हो रही आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की थामा के नए गाने प्वाइजन बेबी में मलाइका अरोड़ा नजर आ रही हैं।

सोनिया बिरजे के बोल्ड अंदाज

तस्वीर देख उड़ जाएंगे आपके होश

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 1985 में आई फिल्म एडवेंचर्स ऑफ टार्जन से रातों–रात स्टार बने हेमंत बिरजे ने उस दौर में अपने किरदार से देश भर को आकर्षित किया था। लेकिन इस फिल्म के बाद वो अचानक ही इंडस्ट्री से गायब हो गए। अब उनकी बेटी सोनिया बिरजे इंटरनेट पर अपने लुक से धमाल मचा रही हैं।

सोनिया सोशल मीडिया पर अपने हॉट एंड ग्लैमसर लुक से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती रहती हैं। इसी बीच सोनिया बिरजे की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें बेहद बोल्ड अंदाज में दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर में सोनिया ब्लू और नीयन ग्रीन कलर का स्टाइलिश स्विमशूट पहने हुए समुंदर किनारे खड़ी हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर सोनिया बिरजे के इस किलर लुक को देखने को बाद फैंस तस्वीर पर खुद को प्रतिक्रिया देने से रोक नहीं पा रहे हैं और जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपनी इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर खुद के जंगली बेबी बताया है।

ये कोई पहली बार नहीं है जब सोनिया बिरजे ने अपने हॉट एंड बोल्ड लुक से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया हो। इससे पहले उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें वो रेड कलर की बिकिनी पहने समुंदर किनारे फैली रेत पर बैठी हुई दिख रही हैं।

टार्जन अभिनेता की बेटी सोनिया बिरजे सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड लुक के चलते काफी चर्चा में रहती हैं। अब उनकी एक तस्वीर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं जिसमें वो बेहद स्टाइलिश दिख रही हैं।

पॉपुलैरिटी में देती कई एक्ट्रेस को मात

आपको बता दें, सोनिया बिरजे भले ही फिल्मी दुनिया में उतनी एक्टिव ना हों, लेकिन सोशल मीडिया पर जबरदस्त लाइम लाइट में रहती हैं।

उनकी पॉपुलैरिटी बॉलीवुड की कई अभिनेत्रीयों से ज्यादा है। जानकारी के अनुसार, साल 1985 में रिलीज हुई सोनिया बिरजे के पिता हेमंत बिरजे की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन फिल्म में उस दौर के इंटिमेट सीन्स के चलते सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म में हेमंत बिरजे के साथ किमी काटकर ने मुख्य किरदार निभाया है।

श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल में भर्ती

फिलहाल आईसीयू में; तीसरे वनडे के दौरान लगी थी चोट

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर सिडनी के अस्पताल में भर्ती हो गए हैं और उन्हें फिलहाल आईसीयू में रखा गया है। श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी। बताया जा रहा है कि श्रेयस को आंतरिक रक्तस्त्राव हो रहा है। श्रेयस को बाईं पसलियों में चोट लगी थी जिस उन्हें कारण कम से कम तीन हफ्ते तक मैदान से बाहर रहना पड़ सकता है, लेकिन अब लग रहा है कि उनकी मैदान पर वापसी में देरी भी हो सकती है। दरअसल, अय्यर सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी का कैच लेते समय चोटिल हो गए थे।

कैसे चोटिल हुए श्रेयस?

यह घटना तब हुई जब ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान कैरी ने हर्षित राणा की गेंद पर ऊंचा शॉट खेला। बैकवर्ड प्वॉइंट पर खड़े अय्यर ने तेजी से दौड़ लगाई और सफलतापूर्वक कैच पकड़ा लिया, लेकिन जमीन पर गिरते समय उनकी

बाईं पसलियों पर जोरदार झटका लगा। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। मैच के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रेयस की हेल्थ पर जानकारी दी थी और बताया था कि इस बल्लेबाज को अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है।

फिलहाल निगरानी में रहेंगे श्रेयस

सूत्रों ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, श्रेयस पिछले कुछ दिनों से आईसीयू में भर्ती हैं। रिपोर्ट आने के बाद आंतरिक रक्तस्राव का पता चला और उन्हें तुरंत भर्ती कराना पड़ा। उनके स्वास्थ्य में सुधार के आधार पर उन्हें दो से सात दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा, क्योंकि रक्तस्राव के कारण संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ऐसा करना आवश्यक है। ड्रेसिंग रूम में लौटने पर अय्यर के महत्वपूर्ण पैरामीटर्स में उतार–चढ़ाव के बाद बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने तत्परता दिखाई। सूत्रों ने कहा, टीम के डॉक्टर और फिजियो ने कोई जोखिम नहीं उठाया और श्रेयस को तुरंत अस्पताल ले गए। अब हालत स्थिर है, लेकिन यह जानलेवा हो सकता था। वह एक मजबूत खिलाड़ी हैं और जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

एक सप्ताह तक अस्पताल में रह सकते हैं श्रेयस

सूत्र ने कहा, 'चूंकि आंतरिक रक्तस्राव हुआ है, इसलिए उन्हें निश्चित रूप से ठीक होने के लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी और इस समय प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में श्रेयस की वापसी के लिए कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित करना मुश्किल है।' 31 वर्षीय अय्यर को भारत वापस जाने के लिए फिट घोषित किए जाने से पहले कम से कम एक सप्ताह तक सिडनी के अस्पताल में रहना होगा। श्रेयस भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं जिसे 29 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलनी है।

सिर्फ वनडे खेल रहे हैं अय्यर

30 वर्षीय अय्यर फिलहाल सिर्फ वनडे प्रारूप में खेल रहे हैं। उन्होंने कमर की समस्या के कारण पिछले छह महीनों से टेस्ट क्रिकेट से दूरी बनाई हुई है और हाल के समय में टी20 प्रारूप में भी शामिल नहीं किए गए हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे में अय्यर ने 61 रनों की शानदार पारी खेली थी।

रोहित ने आस्ट्रेलिया में सफलता का श्रेय अपनी तैयारी को दिया

कोहली के साथ साझेदारी पर भी रखी राय

स्पोर्ट्स डेस्क। रोहित मई में आईपीएल 2025 के बाद कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नही खेले थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आने से पहले कड़ा अभ्यास किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सफलता का श्रेय इसी तैयारी को दिया। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का बल्ला ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जमकर चला और उन्होंने टीम में अपनी उपयोगिता भी साबित की। रोहित ने 223 दिनों बाद भारतीय टीम के लिए कोई मैच खेला था। पर्थ में रोहित सस्ते में आउट हो गए थे, लेकिन एडिलेड वनडे में उन्होंने अर्धशतक लगाया था, जबकि सिडनी में उन्होंने नाबाद शतकीय पारी खेल भारत को क्लीन स्वीप से बचा लिया था।

रोहित बने थे प्लेयर ऑफ द सीरीज

रोहित मई में आईपीएल 2025 के बाद कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नही खेले थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आने से पहले कड़ा अभ्यास किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सफलता का श्रेय इसी तैयारी को दिया। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ सीरीज 2–1 से अपने नाम की, लेकिन भारतीय प्रशंसकों को रोहित और विराट कोहली के बल्ले से रन निकालता देखने से खुशी मिली। रोहित को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

रोहित बोले– समझ आया शेष करियर में क्या करना है

रोहित ने बीसीसीआई वेबसाइट से कहा, जब से मैंने खेलना शुरू किया है मेरे पास कभी भी किसी सीरीज की तैयारी के लिए चार से पांच महीने नहीं होते थे, इसलिए मैं इसका उपयोग करना चाहता था। मैं चीजों को अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर करना चाहता था और यह वास्तव में मेरे लिए अच्छा रहा क्योंकि मुझे समझ में आया कि मुझे अपने बाकी करियर के लिए क्या करने की जरूरत है। उस समय का उपयोग करना महत्वपूर्ण था क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि मेरे पास इतना समय पहले कभी नहीं था और मैंने घर पर अच्छी तैयारी की थी। यहां और स्वदेश की परिस्थितियों में अंतर है लेकिन मैं ऑस्ट्रेलिया कई बार आ चुका हूं इसलिए यह बस उस लय में आने के बारे में था। उन्होंने कहा, इसलिए मैंने यहां आने से पहले जिस तरह से तैयारी की उसे बहुत श्रेय देता हूं।

खुद को बहुत समय दिया। यह बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि कभी–कभी आपको यह समझने की जरूरत होती है कि पेशेवर रूप से आप जो करते हैं उसके अलावा जीवन में बहुत कुछ करना है लेकिन मेरे पास बहुत समय था और इसलिए मैंने इसका उपयोग किया। रोहित ने लंबे समय से अपने साथी रहे विराट कोहली के साथ मैच जिताऊ साझेदारी की और इसे लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, जाहिर है दो नई गेंदों के साथ यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। शुरुआत में खेलना थोड़ा मुश्किल था लेकिन हमें पता था कि एक बार गेंद की चमक खत्म हो जाने के बाद यह थोड़ा आसान हो जाएगा। काफी लंबे समय के बाद कोहली के साथ शानदार साझेदारी। मुझे लगता है कि हमने लंबे समय से 100 रन की साझेदारी नहीं की थी। एक टीम के नजरिए से एक समय हमारी स्थिति को देखते हुए यह साझेदारी करना अच्छा था।

कोहली के साथ खेलने के अनुभव का किया इस्तेमाल

उन्होंने कहा, शुभमन गिल थोड़ा जल्दी आउट हो गए और हमें पता था कि चोटिल श्रेयस अय्यर के नहीं होने से बल्लेबाजों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ गई है। हमने मैदान पर बिताए हर पल का आनंद लिया, हम दोनों के बीच खूब बातें हुईं। हमने साथ में बहुत क्रिकेट खेला है। हम एक–दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हम दोनों के बीच बहुत अनुभव है और हमने इसका बखूबी इस्तेमाल किया।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

रोहित को ड्रेसिंग रूम में मिला ये खास मेडल

स्पोर्ट्स डेस्क। सीरीज के बाद रोहित को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए इम्पैक्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज के मेडल से सम्मानित किया गया। इस दौरान ड्रेसिंग रूम में मौजूद सभी सदस्यों ने रोहित के लिए ताली बजाई और पूर्व कप्तान ने भी सभी का अभिवादन स्वीकार किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में संपन्न हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की मुख्य कोच गौतम गंभीर ने जमकर सराहना की। रोहित और विराट कोहली ने इस सीरीज से करीब सात महीने से अधिक समय बाद भारतीय टीम में वापसी की थी। रोहित के लिए यह सीरीज अच्छी रही और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया, वहीं पहले दो मैच में शून्य पर आउट होने वाले कोहली ने भी तीसरे वनडे में दमदार प्रदर्शन किया।

रोहित–कोहली के बीच हुई थी शतकीय साझेदारी

रोहित और कोहली सिडनी वनडे में दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की अविजित साझेदारी की जिससे भारत क्लीन स्वीप से बच गया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडिया शेयर

किया है जिसमें मैच के बाद गंभीर ड्रेसिंग रूम को संबोधित कर रहे हैं। गंभीर ने सलामी बल्लेबाज रोहित और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की सराहना की। गंभीर ने 237 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इस साझेदारी को बेहद अहम बताया। इसके बाद मुख्य कोच ने रोहित और कोहली के बीच हुई साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि यह भी शानदार थी।

गंभीर ने Ro&Ko की साझेदारी को सराहा

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में गंभीर ने कहा, 'बल्ले से मुझे लगा कि शुभमन और रोहित के बीच की साझेदारी बहुत ही महत्वपूर्ण थी। फिर रोहित और विराट के बीच की साझेदारी भी शानदार रही। रोहित के बल्ले से शतक निकला जो लाजवाब था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि रोहित और कोहली ने मैच फिनिश किया।' गंभीर ने इस बात पर खुशी जताई कि रोहित और कोहली दोनों ने नाबाद रहते हुए लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि यह टीम के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण था और हम इन लक्ष्यों का पीछा करते हुए कितने क्लिनिकल हो सकते हैं और हम बहुत अच्छे थे।